व्यवसाय योजना

सिलाई-कटाई

लेडीज सूट (लाइनिंग और बिना लाइनिंग) जेंट्स नाईट सूट व बच्चों के

वीर नाथ समान रूचि समूह मियां बेहड हुरला

ग्राम वन विकास समिति	-	मियां बेहड हुरला
ग्राम पंचायत	-	हुरला
वन परिक्षेत्र	-	हुरला
वनमण्डल	-	पार्वती
वनवृत	-	कुल्लू

हिमाचल प्रदेश वन परितन्त्र प्रबंधन एव आजीविका सुधार परियोजना (जाईका वित्तपोषित)

अनुक्रमणिका

क्र0सं0	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	कार्यकारिणी सारांश	1-2
2	स्वयं सहायता समूह का विवरण	3
3	ग्राम की भौगोलिक स्थिति	3-5
4	आय सृजन गतिविधि से सम्बंधित उत्पाद का विवरण	5
5	उत्पादन की प्रक्रिया	6
6	उत्पादन हेतु नियोजन	6
7	विपणन	6-7
8	समूह सदस्यों के मध्य उघम का प्रबंधन	7
9	संभावित जोखिम व उनको कम करने के उपाय	7-8
10	उद्यम हेतु अनुमानित लागत	8-9
11	उद्यम हेतु लागत - लाभ विश्लेषण: (एक चक्र के लिए)	9-10
12	समूह की वित्तीय आवश्यकता	10
13	समूह की वित्तीय संसाधन	10-11
14	सम विच्छेदन बिंदु (ब्रेक इविन प्वाइंट) की गणना	11
15	ऋण वापसी का किश्तवार नियोजन	11
16	टिप्पणी /गणना	12
17	स्वयं सहायता समूह के नियमों की सूचि	13
18	ग्राम वन विकास समिति कार्यकारणी का अनमोदन	14
19	समूह का सहमती पत्र	15
20	समान रूचि समूह के प्रत्येक सदस्य के फोटोग्राफ	16

1. कार्यकारिणी सारांश / परिचय

हिमाचल प्रदेश के पश्चिम हिमालय में स्थित है। यह राज्य कुदरती सुंदरता और समृद्धि, सांस्कृतिक व धार्मिक धरोहर से भरपूर है। राज्य में विविध पारितंत्र, नदियों, घाटियों पाई जाती है। इसकी आबादी 70 लाख के करीब है। इसका भौगोलिक क्षेत्र 55673 वर्ग कि० मी० है । हिमाचल प्रदेश में शिवालिक पहाडियों से लेकर मध्य हिमालय का क्षेत्र के ऊँचाई व और ठंडे जोन का क्षेत्र पाया जाता है । राज्य के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि है। हिमाचल प्रदेश के 12 जिलों में से 6 जिले में हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबन्धन और आजीविका सुधार परियोजना जाईका (JICA) के सहयोग से चलाई जा रही है। जिसमे कुल्लू जिला भी शामिल है।

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना जाईका (JICA) प्रारंभ होने पर ग्राम वन विकास समिति मियां बेहड हुरला की सूक्ष्म योजना बनाई गयी है। ग्राम वन विकास समिति के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि व बागवानी है परन्तु प्रत्येक परिवार की औसत भूमि बहुत कम है । अन्य संसाधन न होने के कारण उनके आय में अपेक्षित बढोतरी नहीं हो पा रही है । यहाँ के लोग मुख्यता गेहूं, मक्की, जौ व दालों की खेती करने के साथ सब्जी उत्पादन तथा सेब, पलम, खुमानी इत्यादि बागवानी फसले उगाते हैं। परन्तु अतिरिक्त संसाधन के लिए स्वयं सहायता समूह वीर नाथ ने सिलाई-कटाई इत्यादि का कार्य करके अपनी आजीविका बढाने का निर्णय लिया है । स्वयं सहायता समूह का 22-03-2021 को गठन किया गया है। इस समूह में कुल 16 महिलाएँ सदस्य है । स्वयं सहायता समूह को समान रूचि समूह वीर नाथ में दिनाकं 04-09-2021 परिवर्तित किया गया है इस समान रूचि समूह ने विस्तार से चर्चा करने पर सिलाई व कटाई बनाने व विपणन करने का निर्णय किया है।

परियोजना की सहायता से प्रारम्भ में लेडीज सूट बिना लाइनिंग, लेडीज सूट लाइनिंग, जेंट्स नाईट सूट, बच्चों के ड्रेसिज को सिलने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। परियोजना द्वारा पूंजीगत व्यय का 50% अंशदान (सामान्य श्रेणी का) तथा 75% (गरीब महिला सामान्य श्रेणी) वहन किया जाएगा । इसके अतिरिक्त 1,00,000/- रेवोल्विंग फण्ड दिया जाएगा ताकि बैंक में ऋण लेने में सुविधा हो सके । समूह ने तय किया है कि सभी सदस्य नियम व शर्तों के हिसाब से कार्यों का आपसी बंटवारा करेगे तथा समान रूप से कार्य के अनुसार लाभांश का बंटवारा करेंगे।

वीर नाथ समान रूचि समूह की व्यवसाय योजना बनाने के लिए श्री पदम् सिंह चौहान (Retd HPFS), श्रीमती बबिता ठाकुर और श्री चमन लाल (वन रक्षक) ने बार बार समूह के सदस्यों से बैठक करके इस व्यवसाय योजना को तैयार किया है । व्यवसाय योजना के अनुसार समूह प्रतिमाह 360 लेडीज सूट बिना लाइनिंग, 180 लेडीज सूट लाइनिंग, 180 जेंट्स नाईट सूट व 120 बच्चों के ड्रेसिज तैयार करेंगे। समूह वर्षभार 4 से 5 घंटे का समय निकाल कर उपरोक्त उत्पादों का उत्पादन करेगा। समूह में सम्मिलित सदस्यों का ब्यौरा निम्न प्रकार से है :

क्रमांक	नाम	पिता / पति का नाम	पद	गाँव	आयु	लिंग	योग्यता	श्रेणी	सम्पर्क
1	श्रीमती चम्पा पाल	श्री मेघ सिंह	प्रधान	हुरला	45	स्त्री	+2	सामान्य	9805442781
2	श्रीमती अहल्या पाल	श्री पद्म सिंह	सचिव	हुरला	62	स्त्री	10वीं	सामान्य	945832658
3	श्रीमती ममता	श्री राजीव कुमार	कोषाध्यक्ष	हुरला	34	स्त्री	+2	सामान्य	8351963677
4	श्रीमती पूजा देवी	श्री महिंद्र सिंह	सदस्य	हुरला	28	स्त्री	+2	सामान्य	8627984528

5	श्रीमती आशा	श्री इश्वर सिंह	सदस्य	हुरला	45	स्त्री	8वीं	सामान्य	9015321452
6	श्रीमती नीता पाल	श्री सुंदर सिंह	सदस्य	हुरला	31	स्त्री	+2	सामान्य	9418006045
7	श्रीमती सोनू	श्री नरेश पाल	सदस्य	हुरला	26	स्त्री	10वीं	सामान्य	8629035774
8	श्रीमती पल्लवी	श्री भगवंत सिंह	सदस्य	हुरला	27	स्त्री	+2	सामान्य	7876977216
9	श्रीमती खिला देवी	श्री मोहन सिंह	सदस्य	हुरला	29	स्त्री	B.A	सामान्य	8219946856
10	श्रीमती निशा	श्री महेश्वर सिंह	सदस्य	हुरला	35	स्त्री	+2	सामान्य	8219777108
11	श्रीमती लक्ष्मी	श्री विनोद पाल	सदस्य	हुरला	23	स्त्री	+2	सामान्य	7876154122
12	श्रीमती स्नेह लता	श्री रूम सिंह	सदस्य	हुरला	49	स्त्री	10वीं	सामान्य	6230394606
13	श्रीमती कृष्णा	श्री योगेन्द्र सिंह	सदस्य	हुरला	34	स्त्री	+2	सामान्य	9805562639
14	श्रीमती अनुपम	श्री भूपेन्द्र महंत	सदस्य	हुरला	29	स्त्री	+2	सामान्य	9418540731
15	श्रीमती शान्ति देवी	श्री जीत सिंह	सदस्य	हुरला	48	स्त्री	7वीं	सामान्य	9817587909
16	श्रीमती किरण वाला	श्री सुशील महंत	सदस्य	हुरला	30	स्त्री	+2	सामान्य	8580503330

वीर नाथ हुरला समूह के सदस्य

2 स्वयं सहायता समूह का विवरण

2.1	स्वयं सहायता समूह का नाम	वीर नाथ हुरला
2.2	स्वयं सहायता समूह का एम. आई. एस. कोड	—
2.3	ग्रामीण वन विकास समिति	मियां बेहड हुरला
2.4	वन परिक्षेत्र	हुरला
2.5	वन मण्डल	शमशी
2.6	गांव	हुरला
2.7	विकास खण्ड	भुईन
2.8	जिला	कुल्लू
2.9	समूह के कुल सदस्यों की संख्या	16
2.10	समूह के गठन की तिथि	22-03-2021
2.11	स्वयं सहायता समूह/समान रूचि समूह की मासिक बचत	100/—
2.12	बैंक का नाम और शाखा जंहा समूह का खाता संचालित	काँगड़ा सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक बजौर
2.13	बैंक खाता संख्या	50073162840
2.14	समूह की कुल बचत	4485/—
2.15	समूह द्वारा सदस्यों को दिया गया ऋण	–
2.16	कैश क्रैडिट सीमा समूह सदस्यों द्वारा वापस किया गया ऋण की स्थिति	—

3. गांव की भौगोलिक स्थिति

3.1	जिला मुख्यालय से दूरी	8 कि० मी०
3.2	मुख्य सड़क से दूरी	8 कि० मी०
3.3	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	भुन्तर 8 कि० मी०, कुल्लू 18 कि० मी०
3.4	मुख्य बाजार से दूरी और नाम	भुन्तर 8 कि० मी०, कुल्लू 18 कि० मी०
3.5	अन्य प्रमुख शहरों और कसबों से दूरी	भुन्तर 8 कि० मी०, कुल्लू 18 कि० मी०
3.6	बाजार/बाजारों से दूरी जहां पर उत्पादन की बिक्री की जायेगी	भुन्तर 8 कि० मी०, कुल्लू 18 कि० मी०
3.7	ग्राम के सम्बन्ध में अन्य कोई विशिष्ठता जो समूह द्वारा चयनित आय सृजन गतिविधि से सम्बन्धित हो	-

(क) व्यवसाय योजना की आवश्यता क्यों ?

ग्राम वन विकास समिति मियां बेहड हुरला में महिलायों का पहले से गठित कोई भी समूह नहीं है इसीलिए परियोजना ने एक स्वयं सहायता समूह का गठन किया है । जिसमे समूह की सभी महिलाएं सिलाई कटाई का कार्य करके अपनी आजीविका को बढाना चाहती है । समूह की कुछ महिलाये पहले से सिलाई कटाई का कार्य करती है परन्तु अच्छी तरह प्रशिक्षित नहीं है केवल अपने घर के लिए छोटी मोटी

सिलाई करती है | इसके इलावा कुछ महिलायों के पास न ही सिलाई मशीन है और न ही प्रशिक्षित है | इन कारणों से अपनी आजीविका को नहीं बढा पा रही है इसीलिए महिलायों ने समूह के माध्यम से JICA परियोजना से सिलाई कटाई की मशीनों तथा उचित प्रशिक्षण की मांग की है|

(ख) व्यवसाय योजना के उदेश्य :

- समूह की सभी सदस्यों की क्षमता का निर्माण करना|
- समूह के लिए निरंतर आय के साधन उपलब्ध कराना|
- उत्पाद को उचित बाज़ार से जोड़ना|
- सभी सदस्यों को समूह में काम करने के लिए प्रेरित करना|
- सिलाई कटाई व्यवस्या की नवीनतम एवं आधुनिक तकनीकों को बढावा देना|
- आजीविका की बढोतरी|

(ग) व्यवसाय योजना में निम्न कार्य शामिल हैं :

- सिलाई - कटाई (महिलायों के सूट, बच्चों के ड्रेसिज, पुरुषों के नाईट सूट इत्यादि शामिल है|)

(घ) व्यवसाय योजना के कार्यों का विवरण :

(1) <u>सामुदायिक गतिशीलता :</u> इसके अंतर्गत ग्रामीणों में जागरूकता एवं सामुदायिक गतिशीलन के उपरान्त आजीविका वर्धन के विकल्प का चयन तथा उसके लिए लाभार्थीयों की छंटनी की गयी है|

(2) <u>समूह का निर्माण :</u> स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को एकत्रित कर समूह का गठन किया गया है तथा समूह का अध्यक्ष, सचिव व् कोषाध्यक्ष का सर्वसहमति से चुनाव किया गया है | समूह की सदस्यों की सहमती से समूह के लिए नियम एवं शर्ते निर्धारित करके उन्हें लागू करने का प्रावधान किया गया है|

(3) <u>क्षमता का निर्माण :</u> लाभार्थियों की क्षमता निर्माण हेतु उनका उचित प्रशिक्षण करवाया जाना आवश्यक है|

(4) <u>सिलाई मशीन इत्यादि का वितरण :</u> समूह के सभी सदस्यों को अच्छी किस्म मशीने उपलब्ध करवाई जाए ताकि अच्छे ढग से कार्य कर सके|

(5) <u>बाज़ार से जोड़ना :</u> अपने उत्पाद को बेचने के लिए समूह किसी सरकारी व् निजि सोसाइटी से उचित शर्तों के साथ संबध स्थापित करने लिए तैयार है | जैसे की सथानीय पाठशाला के बच्चों के ड्रेसिज, लोकल मार्किट के दर्जियों के साथ व्यवसाय में जुड़ेगी| भुन्तर बाज़ार के क्षेत्र के दर्जियों के साथ जुड़ कर कार्य करेगी|

(6) <u>वितीय संस्थानों एवं संबधित विभागों से जोड़ना :</u> व्यवसाय को आगे बढाने के लिए समूह को वितीय संस्थानों से जोड़ने का पर्यास किया जाएगा तथा उन्हें विभिन्न बैंकों द्वारा दी जा रही ऋण सुविधाओं से अवगत करवाया जाएगा तथा परियोजना द्वारा बैंकों से जोड़ा जाएगा |

<u>(7) बाज़ार की जानकारी :</u> भुन्तर बाज़ार के क्षेत्र के दर्जियों के साथ जुड़ कर कार्य करेगी |

(8) <u>निगरानी का तरीका :</u> व्यवसाय योजना शुरू होने से पहले लाभार्थियों का आधार रेखा सर्वेक्षण किया जाएगा | इसके हर छे महीने के बाद आर्थिक सर्वेक्षण किया जाएगा ! इसके मापदंड निम्नलिखित होंगे |

(i) उत्पादन में बढोतरी (बाद में)
(ii) बेचे गए उत्पाद में बढोतरी (बाद में)
(iii) समूह में बढोतरी (बाद में)
(iv) आय में बढोतरी (बाद में)

(9) <u>अपेक्षित सहायता एवं संसाधन :</u>

(i) वित्तीय प्रबंधन : (पूंजीगत व्यय का 50% श्रेणी बार परियोजना द्वारा सहायता दी जाएगी , शेष 50% सदस्य द्वारा वहन किया जाएगा, इसके अतिरिक्त आवर्ती व्यय का 1500 समूह की बचत से तथा 30900 बैंक से ऋण लिया जाएगा |)
(ii) मानव : 16 सदस्य
(iii) तकनीकी : तकनीकी सहायता गाँव में ही मास्टर ट्रेनर लगाकर परियोजना द्वारा उचित प्रशिक्षण का प्रावधान परियोजना द्वारा दिया जाएगा |

(10) <u>अनुमानित लाभ:</u>

- महिलायों के लिए घरेलू रोज़गार उपलब्ध होगा |
- समूह के सभी सदस्यों के लिए आजीविका वर्धन का दीर्घ कालीन एवं निरंतर साधन उपलब्ध होगा |
- समूह की महिलाएं इस कार्य को खाली एवं अतिरिक्त समय में कर सकती है तथा अपनी आय में प्रति सदस्य लगभग 10756 रु प्रतिमाह तक बढोतरी कर सकती है |

4. आय सृजन गतिविधि से सम्बन्धित उत्पाद का विवरण

4.1	उत्पाद का नाम	बच्चों के ड्रेसिज + जेंट्स नाईट शूट + सूट लाइनिंग + सूट बिना लाइनिंग
4.2	उत्पाद की पहचान की पद्वति	समूह विचार- विमर्श
4.3	स्वय ंसहायता समूह/समान रूचि समूह के सदस्यों की सहमति	हाँ (सहमति पत्र पृष्ठ परसलंग्न है।)

5. उत्पादन की प्रक्रिया का विवरण

सर्वप्रथम **स्वयं सहायता समूह** के सदस्यों को परियोजना द्वारा **लेडीज सूट लाइनिंग, बिना लाइनिंग, किड्स ड्रेसिज और जेंट्स नाईट सूट** की सिलाई का प्रशिक्षण दिया जाएगा । **वीर नाथ** समूह के 16 सदस्यों **इस** कार्य करेगें। प्रशिक्षण के उपरान्त समूह **इस** कार्य **को करेंगे।**

1. <u>लेडीज सूट लाइनिंग</u>: - समूह के 6 सदस्य लेडीज सूट लाइनिंग की सिलाई का कार्य करेंगे । प्रत्येक सदस्य 4 से 5 घंटे प्रतिदिन कार्य करने पर **1** दिन में 1 सूट तैयार करेंगे**।**

2. <u>लेडीज सूट बिना लाइनिंग</u> : - समूह के 6 सदस्य लेडीज सूट बिना लाइनिंग की सिलाई का कार्य करेंगे । प्रत्येक सदस्य 4 से 5 घंटे प्रतिदिन कार्य करने पर 1 दिन में 2 सूट तैयार करेंगे**।**

3. <u>जेंट्स नाईट सूट</u>: - समूह के 2 सदस्य जेंट्स नाईट सूट की सिलाई का कार्य करेगी । सदस्य 4 से 5 घंटे प्रतिदिन कार्य करने पर 1 दिन में **3** सूट तैयार करेगी**।**

4. <u>बच्चों के ड्रेसिज</u>: - समूह के 2 सदस्य बच्चों के ड्रेसिज की सिलाई का कार्य करेगी । सदस्य 4 से 5 घंटे प्रतिदिन कार्य करने पर 1 दिन में 2 ड्रेसिज तैयार करेगी**।**

6. उत्पादन हेतु नियोजन

6.1 प्रति माह कार्य दिवस : 30 दिवस

6.2 प्रति माह काम करने वाले व्यक्ति : 16 व्यक्ति

6.3 कच्चे माल का स्रोत : कुल्लू, भुंतर

6.4 अन्य संसाधनों का स्रोत : कुल्लू, भुंतर

क्रमाक	**माह**	**वस्तु का नाम**	**इकाई**	**मात्रा**	**मजदूरी**	**औसत अन्य खर्चे**	**कुल धन राशी**	**प्रति नग लागत**	**उपेक्षित उत्पादन की मात्रा**
1.		लेडीज सूट लाइनिंग	नंबर	180	30900	6943	37843	210.23	180
2		लेडीज सूट बिना लाइनिंग	नंबर	360	30900	13885	44785	124.40	360
3		जेंट्स नाईट सूट	नंबर	180	10200	6944	17144	95.24	180
4		बच्चों के परिधान	नंबर	120	10200	4628	14828	123.56	120
		योग		**840**	**82200**	**32400**	**114600**	-	-

नोट: स्वयं सहायता समूह के प्रशिक्षण का खर्च परियोजना **द्वारा** वहन किया जाता है । तथा इस व्यवसाय योजना में शामिल नहीं है।

7. <u>विपणन/बिक्री</u> का विवरण

7.1	सम्भावित बाजारों/स्थलों के नाम	भुंतर, कुल्लू ।
7.2	उत्पाद की बिक्री हेतू गांव से दूरी	8 कि0मी0

7.3	बजार में उत्पाद की अनुमानित मांग	लेडी शूट, जेंट्स नाईट सूट, स्कूल ड्रेसिज, बच्चों की ड्रेसिज।
7.4	बजार को चिन्हित करने की प्रक्रिया	लोकल बाज़ार को चिन्हित किया गया है जैसे की स्कूल, भुंतर, मोहल और शमशी।
7.5	मौसम मे ंपरिवर्तन के अनुसार उत्पाद की मांग की स्थिति	सर्दी के दौरान वूलेन सूट और गर्मी के मौसम के दौरान कॉटन सूट सिलेगें।
7.6	उत्पाद के संभावित खरीदार	**स्थानीय निवासी**
7.7	क्षेत्र में संभावित उपभोक्ता	स्कूल के बच्चे, गाँव व शहरों की महिलाऐं / पुरुष
7.8	उत्पाद का विपणन तंत्र	सीधा सम्पर्क दर्जिओं से और गाँव की महिलाऐं और पुरषों के सूट सिलेगें।
7.9	उत्पाद के विपणन हेतु रणनीति	(1) प्रारम्भ में लेडी शूट, जेंट्स नाईट सूट, स्कूल ड्रेसिज, बच्चों की ड्रेसिज सिलेगें। बाद में पिलो, कुशन, रजाई कवर इत्यादि सिलेगें। (2) समूह कार्य की निपुणता के आधार पर सदस्यों का चयन करेगा जैसे कि कटिंग, तुरपाई, काज, बटन लगाना, इस्त्री करना इत्यादि।

8. समूह सदस्यों के मध्य उद्यम का प्रबन्धन :

समूह के सदस्य आपसी सहमति से कार्यो का बटवारा करेंगे तथा किये गये कार्य के अनुपात में प्राप्त आय का वितरण करेंगे। स्वयं सहयता समूह के सभी सदस्यों सिलाई करेंगे। कार्य का बटवारा एवं प्रत्येक सदस्य की भूमिका सदस्य की आर्थिक शारीरिक एवं मानसिक क्षमता के आधार पर की जायेगी । यही सदस्य वितय लेन देन का हिसाब रखेंगे।

9. शक्ति, दुर्बलता, अवसर, जोखिम का विश्लेषण (SWOT Analysis)

शक्ति: -

1. सभी समूह सदस्य सामान व् अनुकूल सोच रखते है।
2. समूह के एक सदस्य छोटे पैमाने पर सिलाई का कार्य करेंगे।

दुर्बलता: -

1. नया स्वयं सहायता समूह है।
2. समूह में कार्य करने का अनुभव नहीं है।

अवसर: -

1. समूह में कार्य करने पर बड़े पैमाने पर उत्पादन किया जा सकता है।

2. स्थानीय बाज़ारों में सूट सिलाई इत्यादि की पर्यटन क्षेत्र होने के कारण मांग अधिक है।

3.परियोजना द्वारा सिलाई मशीन व अन्य सामान इत्यादि खरीदने के लिए अनुसूचित जाति / जनजाति तथा गरीब सामान्य श्रेणी की महिलाओं को 75% तथा सामान्य श्रेणी महिला को 50% अंशदान दिया जाएगा।

4.परियोजना द्वारा सिलाई का प्रशिक्षण विशेषज्ञ द्वारा मौके पर / प्रशिक्षण संस्थानों में करवाया जाएगा।

जोखिम

1. समूह में आन्तरिक झगडे होने पर समूह का कार्य प्रभावित हो सकता है।

2. मांग व पारदर्शिता के अभाव में समूह टूटने की सम्भावना हो सकती है।

10. उद्यम हेतु अनुमानित लागत एवं उत्पाद के विक्रय मूल्य की गणना / आकलन:

अ. पूंजीगत व्यय

क्रमाक	गतिविधि	मात्रा	मुल्य	कुल व्यय	परियोजना अंश (50%)	लाभार्थी अंश (50%)
1	सिलाई मशीन मोटर सहित	6	7000	42000	21000	21000
2	L स्केल	7	200	1400	700	700
3	प्रेस	7	1200	8400	4200	4200
4	इंचटेप	5	20	100	50	50
5	कैंची	6	500	3000	1500	1500
6	स्टेपलर 1 बड़ा 1 छोटे	2 2	150 50	300 100	150 50	150 50
	योग			**55300**	**27650**	**27650**

- 10 सदस्यों के पास अपनी मशीन व अन्य कुछ सामन पहले से मोजूद है।
- उपरोक्त पूंजीगत व्यय का लाभार्थी अंश नकदी के रूप में स्वयं वहन करेंगे |

(ब) आवर्ती व्यय (एक चक्र के लिए) एक महीना लिया गया है

क्रमाक	विवरण	इकाई	मात्रा	दर (रु०)	धन राशी (रु०)
1.	किराया	महीना	1	1000	1000
2	मजदूरी	महीना	274 दिन	300	82200
3	परिवहन	महीना	1	1000	1000
4	पैकिंग (लिफाफे, बेग, अखबार)	नंबर	1	2000	2000
5	सिलाई धागा, वटन, जिप, हुक, इत्यादि	नंबर	840 सूट / ड्रेसिज के लिए	10	8400
6	सूट लाइनिंग (मटेरियल) मूल्य	नंबर	180	100	18000
7	अन्य खर्चे (स्टेशनरी, बिजली, पानी इत्यादि	महीना	1	2000	2000
	योग				**114600**

- प्रत्येक दिन एक महिला 4/5 घंटे कार्य करेगी।

(स)- **उत्पादन की लागत** (एक चक्र के लिए)

क्र0स0	विवरण	धनराशि (रू0)
1	कुल आवर्ती व्यय	114600
2	पूंजीगत व्यय पर 10% वार्षिक मूल्य ह्रास	461
3	ऋण पर 7%वार्षिक दर पर ओसत व्याज	1225
	योग	**116286**

(द) **विक्रय मूल्य की गणना / आंकलन (प्रतिचक्र):**

लाइनिंग और बिना लाइनिंग सूट, जेंट्स नाईट सूट, बच्चों के परिधान

क्र0स0	विवरण	इकाई	मात्रा	दर	धनराशी
1.	**उत्पादन की लागत**				
	लेडीज सूट लाइनिंग	नंबर	180	210.23	37843
	लेडीज सूट बिना लाइनिंग	नंबर	360	124.40	44785
	जेंट्स नाईट सूट	नंबर	180	95.24	17144
	बच्चों के परिधान	नंबर	120	123.56	14828
	कुल लागत		**840 नग**		**114600**
2	**निर्धारित लाभ (प्रतिशत में)**				
	लेडीज सूट लाइनिंग	114.05%	180	239.77	43157
	लेडीज सूट बिना लाइनिंग	60.77%	360	75.6	27216
	जेंट्स नाईट सूट	109.99%	180	104.76	18855
	बच्चों के परिधान	21.39%	120	26.44	3172
	योग		**840 नग**		**92400**
3	**उत्पादन की अनुमानित विक्रय**				
	लेडीज सूट लाइनिंग		180	450	81000
	लेडीज सूट बिना लाइनिंग		360	200	72000
	जेंट्स नाईट सूट		180	200	36000
	बच्चों के परिधान		120	150	18000
	योग		**840 नग**		**207000**

11. उद्यम हेतु लागत - लाभ विश्लेषण (एक चक्र के लिए) :

क्र0स0	मद	धनराशि (रू)
1	पूंजीगत व्यय पर 10 % वार्षिक मुल्य ह्रास (अ)	461
2	**आवर्ती व्यय (30 दिन)**	
2-1	किराया	1000
2-2	मजदूरी	82200

2-3	सिलाई धागा, वटन, जिप, हुक, इत्यादि	8400
2-4	अन्य खर्चे (बिजली, स्टेशनरी इत्यादि)	2000
2-5	परिवहन	1000
2.6	सूट लाइनिंग (मटेरियल)	18000
2.7	पैकिंग (लिफाफे, बेग, अखबार)	2000
	योग	**114600**
3	कुल उत्पादन (नं0 में)	840 नं0/ माह
4	उत्पादन की विक्री मूल्य प्रतिमाह	207000
5	उत्पादन की सिलाई से आय (840 नं0)	207000
6	कुल लाभ = 207000 - (461 + 114600)	91939
7	उत्पाद (सूट) की सिलाई से सकल लाभ = कुल लाभ + (मजदूरी एवं किराया) = 91939 + 82200 + 1000	175139
8	एक चक्र के उपरान्त लाभ के रूप में सदस्यों के मध्य वितरण हेतु उपलब्ध धनराशी = उत्पाद की सिलाई से आय - (मूलधन व ब्याज वापसी + दुसरे चक्र हेतु आवश्यक आवर्ती व्यय - मजदूरी) = 207000 - (2337 + 163 + 114600 - 82200)	172100

- यह धनराशी मजदूरी व किराये की धनराशी के अतिरिक्त है । शुद्ध लाभ प्रति सदस्य का वितरण सदस्यों के मध्य सहमत अनुपात के आधार पर किया जाएगा।
- बैंक ऋण की दर में से 5% ब्याज परियोजना द्वारा सीधे बैंक के खाते में जमा किया जाएगा । शेष व्याज समूह द्वारा अदा किया जाएगा।

12. धन की आवश्यकता

समूह की वित्तीय आवश्यकता :

क्र0स0	मद	धनराशी (रु)
1	पूंजीगत व्यय	55300
2	आवर्ती व्यय	32400
3	अन्य व्यय	-
	योग	**87700**

नोट: उपरोक्त पूंजीगत व्यय का लाभार्थी अंश 27650 रुपए समूह के सदस्य नकदी रकम के रूप में स्वयं अदा करेंगे। आवर्ती व्यय का 32400 रुपए में से 4485 रुपए बचत से व्यय करेंगे। शेष आवर्ती व्यय की धन राशी 27915 रुपए बैंक से ऋण लेंगे।

13. समूह के वित्तीय संसाधन :

क्र0स0	**संसाधन का विवरण**	**धनराशी (रु)**
1	परियोजना द्वारा सहायता कोष की धनराशी (50% पूंजीगत व्यय)	27650
2	लाभार्थी अंश (50% पूंजीगत व्यय)	27650
3	समूह की आंतरिक बचत	4485
	योग	**59785**

नोट : परियोजना द्वारा 100000 रुपए की धनराशि (रेवोल्विंग फण्ड) के रूप में अतिरिक्त दी जायेगी।

14. सम विच्छेदन बिन्दू (ब्रेक इविन प्वाइन्ट) की गणना

ब्रेक इवन पॉइंट = पूंजीगत व्यय / विक्रय मूल्य -आवर्ती व्यय

= 55300 / 207000 - 114600 = 55300 / 92400

= 0.5984 माह = 0.5984 x 30 = 18 दिन

उपरोक्त अनुपात में 840 नग सिलाई करके देने पर "ब्रेक इवन पॉइंट" 18 दिनों में प्राप्त होगा! दुसरे शब्दों में इस गतिविधि में लगी गयी धनराशी 27 दिनों में प्राप्त हो जाएगा।

15. ऋण वापसी का किश्तवार नियोजन :

क्र0 स0	माह	ऋण वापसी						संचय ऋण वापसी	अवशेष ऋण		
		मुलधन	कुल ब्याज	परियोजना द्वारा 5 % ब्याज देय	समूह द्वारा शेष ब्याज 2% देय	समूह द्वारा प्रति माह देय किश्त	कुल		मुलधन	ब्याज	कुल
1	महीना –1								27915	163	28078
2	महीना –2	2337	163	116	47	2500	2500	2500	25578	149	25727
3	महीना –3	2351	149	107	42	2500	2500	5000	23227	135	23363
4	महीना –4	2365	135	97	38	2500	2500	7500	20863	122	20984
5	महीना –5	2378	122	87	35	2500	2500	10000	18484	108	18592
6	महीना –6	2392	108	77	31	2500	2500	12500	16092	94	16186
7	महीना –7	2406	94	67	27	2500	2500	15000	13686	80	13766
8	महीना –8	2420	80	57	23	2500	2500	17500	11266	66	11331
9	महीना –9	2434	66	47	19	2500	2500	20000	8831	52	8883
10	महीना –10	2448	52	37	15	2500	2500	22500	6383	37	6420
11	महीना –11	2463	37	27	10	2500	2500	25000	3920	23	3943
12	महीना –12	3920	23	16	7	3943	3943	3943	0	0	0
	योग	**27915**	**1028**	**734**	**292**	**28943**	**28943**	**141443**	**0**	0	**0**

- 7% वार्षिक ब्याज की गणना प्रतिमाह घटते हुए मूलधन के आधार पर की गई है।
- समायोजन के कारण अंतिम ई.एम.आई. नियमित ई.एम.आई. से कम हो सकती है।
- इसके अतिरिक्त परियोजना द्वारा ब्याज को अग्रिम एक किश्त में अदा करने पर अंतिम किश्त घट जाएगी। अंतिम किश्त को ध्यान से बैंक खाते को चेक करके दी जानी आवश्यक है।

टिप्पणी/ गणना

समूह द्वारा प्रति माह में लेडी सूट लाइनिंग, बिना लाइनिंग, जेंट्स नाईट सूट और बच्चों के ड्रेसिज की सिलाई करके तैयार किये जायेंगे तथा इनके सिलाई करने पर समूह को कुल राशी वितरण हेतु 172100 उपलब्ध होगी। इसमें से मजदूरी के रूप में 82200 रूपए तथा लाभांश से 89900 रूपए प्राप्त होंगे। प्रति सदस्य ओसत 04 घंटे प्रतिदिन कार्य करने पर एक माह में प्रतेक सदस्य को 10756 रूपए की अतिरिक्त आमदनी होगी। इसके अतिरिक्त परियोजना द्वारा वर्षभर 5% दर से ब्याज को वहन किया जाएगा । इस प्रकार 875 रुपए की समूह की और भी बचत होगी।

स्वयं सहायता समूह के नियमों की सूचि

1. समूह का काम : **सिलाई व कटाई**
2. समूह का पता : **गाँव हुरला, डाकघर हुरला, तहसील भुन्तर, जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश !**
3. समूह के कुल सदस्यः **16**
4. समूह की पहली बैठक की तिथि ; **22, मार्च, 2021.**
5. समूह में हर 100 रूपए पर 2 रूपए ब्याज होगा
6. समूह की मासिक बैठक हर माह की 05. तारिक को होगी
7. समूह के सभी सदस्य हर माह की बचत की गई राशि को समूह में जमा करेगें
8. स्वय सहायता समूह की बैठक में सभी सदस्य को शामिल होना पड़ेगा
9. स्वय सहायता समूह का खाता **काँगड़ा सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक बजौर** शाखा में खोला जाएगा खाता संख्या नंबर **50073162840** है!
10. समूह की बैठक में गेर हाज़िर रहने के लिए प्रधान व सचिव को उचित कार्य बता कर अनुमति लेनी होगी
11. समूह में जो बचत की राशी जमा नहीं करवाते या 3 बेठकों तक समूह से गेर हाज़िर रहते है तो उस व्यक्ति को समूह से निकाल दिया जाऐगा
12. समूह में जो व्यक्ति कारण बताए वगेर गेर हाज़िर रहता है तो अगली बैठक उस व्यक्ति के घर में होगी जिसका खर्च उस व्यक्ति को खुद करना होगा अगर दो सदस्य होगें तो खर्च मिल कर देना होगा
13. स्वय सहायता समूह के प्रधान व सचिव सर्व सहमति से चुने जाऐगें
14. प्रधान व सचिव बैंक से लेन देन कर सकते है यह पद एक वर्ष तक मान्य होगा
15. प्रधान, सचिव या सदस्य समूह के विरूद्व कोई काम नही करेगा समूह की रकम का सदा सदुपयोग करेगें
16. अगर सदस्य किसी कारणवश समूह को छोड़ना चाहता है अगर इस व्यक्ति ने ऋण लिया है तो समूह को वापिस करना होगा तभी समूह को छोड़ समता है अन्यथा नही
17. ऋण का उदेश्य रकम की चुकोती का समय ऋण की किश्त और ब्याज की दर बैठक में तय की जाएगी
18. आपातकालीन स्थिति के लिए प्रधान व सचिव के पास कम से कम 1000 रूपये की राशी होनी चाहिए
19. स्वय सहायता समूह के रजिस्टर को सभी सदस्यों के सामने पढ़ा व लिखा जाना चाहिए
20. बड़ें ऋण लेने वालों को एक सप्ताह पहले की सूचना देनी होगी
21. ऋण जरूरत के समय सभी सदस्यों को मिलना चाहिए
22. अगर सदस्य बिना कारण से समूह को छोड़ना चाहता है तो उस सदस्य की जमा रही समूह में बांटी जाएगी
23. समूह को अपनी मासिक रिपोर्ट प्रति माह तकनीकी क्षेत्रीय इकाई (Field Technical Unit) के कार्यालय में देनी होगी !

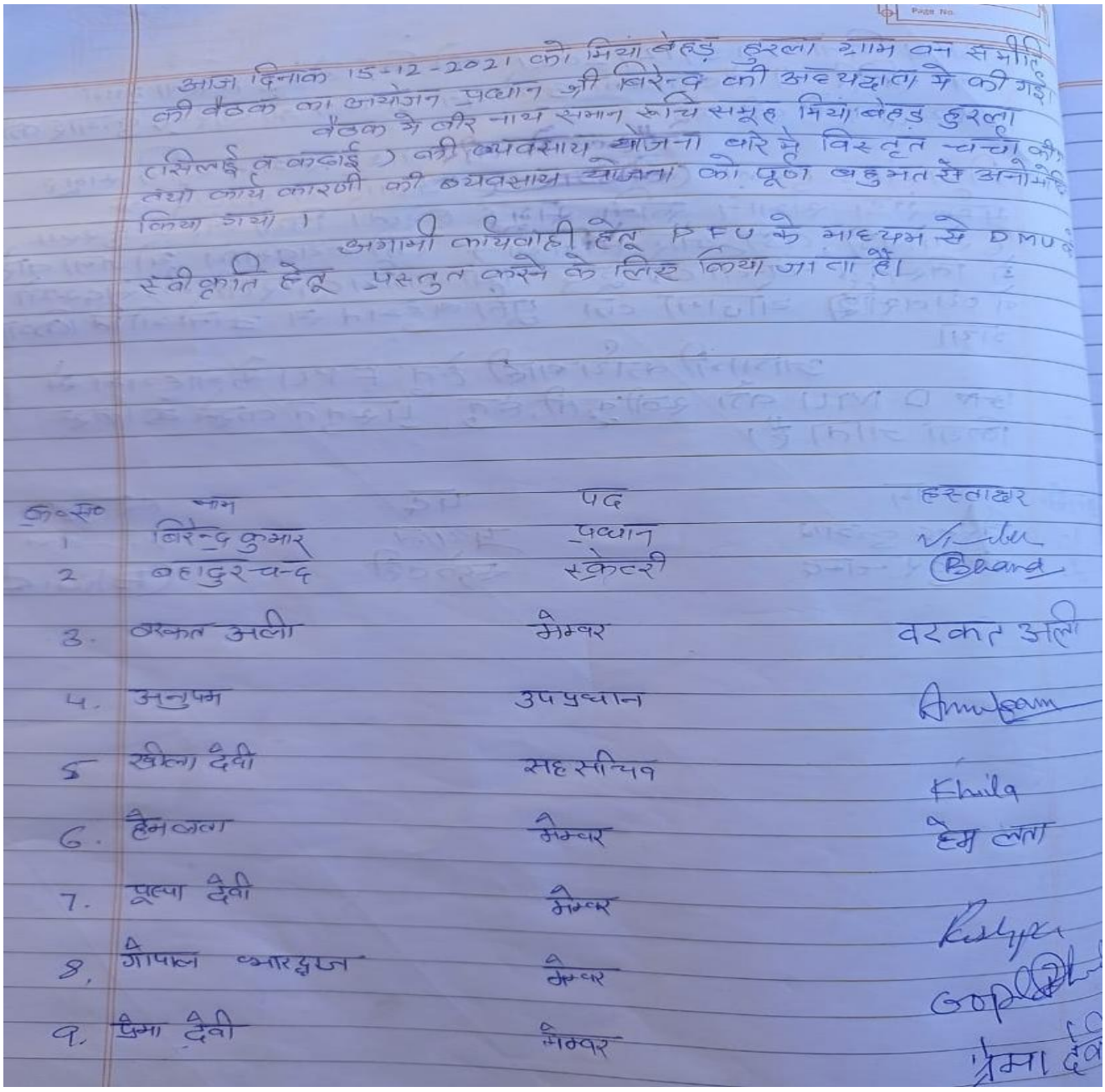

आज दिनांक 15-12-2021 को मियां बेहड़ हुरला ग्राम वन समीति की बैठक का आयोजन प्रधान श्री बिरेन्द्र की अध्यक्षता मे की गई। बैठक मे वीर नाथ समान रूचि समूह मियां बेहड़ हुरला (तसिलाई व कदाई) की व्यवसाय योजना बारे मे विस्तृत चर्चा की तथा कार्य कारणी की व्यवसाय योजना को पूर्ण बहुमत से अनोमोदित किया गया।

अगामी कार्यवाही हेतू PFU के माध्यम से DMU को स्वीकृति हेतू प्रस्तुत करने के लिए किया जाता है।

क्र० सं०	नाम	पद	हस्ताक्षर
1	बिरेन्द्र कुमार	प्रधान	(हस्ताक्षर)
2	बहादुर चन्द	स्क्रेटरी	Bhand
3.	बरकत अली	मेम्बर	बरकत अलि
4.	अनुपम	उपप्रधान	Anupam
5	खीला देवी	सहसचिव	Khila
6.	हेमलता	मेम्बर	हेम लता
7.	पुष्पा देवी	मेम्बर	Pushpa
8.	गोपाल भारद्वाज	मेम्बर	Gopal
9.	प्रेमा देवी	मेम्बर	प्रेमा देवि

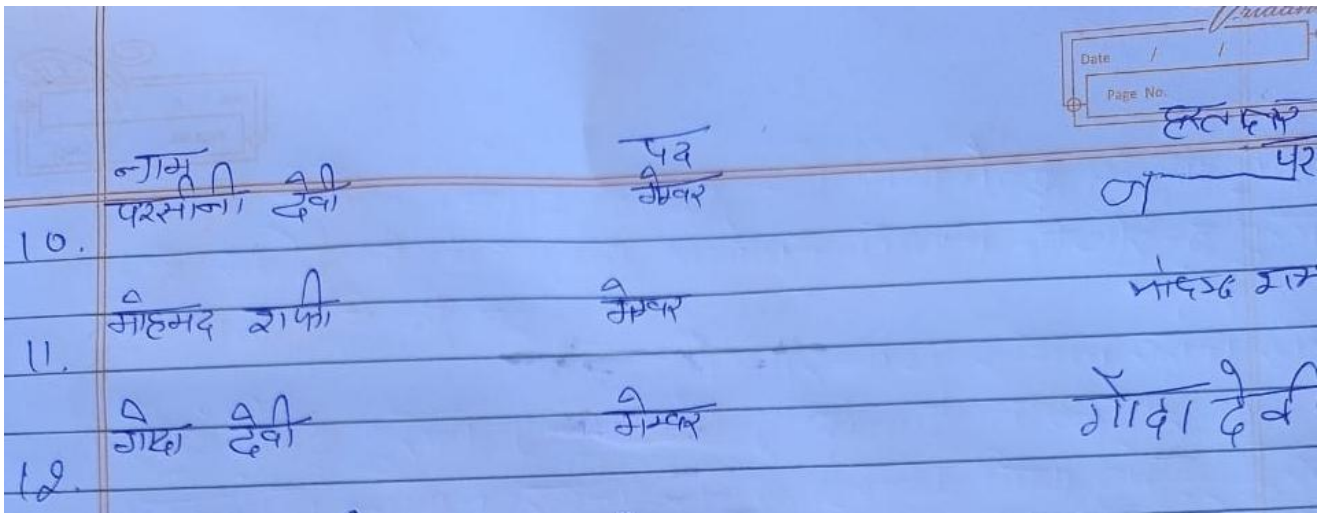

	नाम	पद	हस्ताक्षर
10.	परसीनी देवी	मेम्बर	(हस्ताक्षर)
11.	मोहमद शफी	मेम्बर	मोहम्मद शफी
12.	गोदा देवी	मेम्बर	गोदा देवि

समूह का सहमती पत्र

आज दिनाकं *15-12-2021* को 'वीर नाथ' समान रुची समूह की बैठक हुई। बैठक में प्रधान श्रीमती चम्पा पाल की अध्यक्षता में हुई जिसमे समूह के सदस्यों ने सर्व सहमती से निर्णय लिया की आय बढाने के लिए सिलाई व कटाई का कार्य करने के लिए हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तन्त्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना (जाईका) से जुड़ने की सहमती प्रदान करते है।

समूह के सचिव के हस्ताक्षर

प्रधान Champa Pal सचिव [signature]
बावा वीर नाथ स्वय सहायता समूह
गांव व डा० हुरला तह० भुन्तर
जिला कुल्लू (हि०प्र०)

समूह के प्रधान के हस्ताक्षर

प्रधान Champa Pal सचिव [signature]
बावा वीर नाथ स्वय सहायता समूह
गांव व डा० हुरला तह० भुन्तर
जिला कुल्लू (हि०प्र०)

Recommended for approval.

[signature]
R.O. HURLA

approved

[signature]
DMU Officer JICA FP-cum
DFO Parvati at Shamshi

समान रूचि समूह के प्रत्येक सदस्य के फोटोग्राफ

 श्रीमती चंपा पाल (प्रधान)	 श्रीमती अहल्या पाल (सचिव)	 श्रीमती ममता (कोषाध्यक्ष)	 श्रीमती पूजा देवी (सदस्य)
 श्रीमती आशा (सदस्य)	 श्रीमती नीता पाल (सदस्य)	 श्रीमती सोनू (सदस्य)	 श्रीमती पल्लवी (सदस्य)
 श्रीमती खिला देवी (सदस्य)	 श्रीमती निशा (सदस्य)	 श्रीमती लक्ष्मी (सदस्य)	 श्रीमती लता (सदस्य)
 श्रीमती कृष्णा (सदस्य)	 श्रीमती अनुपम (सदस्य)	 श्रीमती शान्ति देवी (सदस्य)	 श्रीमती किरण वाला (सदस्य)